राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 259
ध्रुव हत्यारा है
सुपर कमांडो ध्रुव

आज सारी दुनिया ही नहीं, ध्रुव खुद भी यही मान रहा है कि हां...
ध्रुव हत्यारा है
संजय गुप्ता की पेशकश
कथा: जॉली सिन्हा.
चित्र: अनुपम सिन्हा.
इंकिंग: विनोद कुमार.
सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय.
सम्पादक: मनीष गुप्ता.
मैं तुम्हारे बगैर नहीं जी सकती ध्रुव! मुझे अपना बना लो! अपनी जिन्दगी में शामिल कर लो मुझे! मेरा हाथ अपने हाथों में थाम लो!
मैं खुद तुमको अपनी जिन्दगी में शामिल करना चाहता हूं, नताशा! मैं तुमसे प्यार करता हूं!

लेकिन... लेकिन तुम्हारे हाथ तो खून से रंगे हैं! इंसानी खून टपक रहा है इनसे!
ये... ये उन इंसानों का खून है, जो समाज के माथे पर बदनुमा दाग थे! गद्दार थे! भ्रष्ट थे! कानून को धोखा देने वाले अपराधी थे!
ये किसी निर्दोष का खून नहीं है, ध्रुव!

सजा देना तुम्हारा काम नहीं है, नताशा! तुम एक अपराधी हो! अपराधी हो!
मेरा तुम्हारा साथ कभी संभव नहीं हो सकता!

नहीं, रुक जाओ ध्रुव!
रुक जाओ!

मुझे अकेला छोड़कर मत जाओ! लौट आओ, ध्रुव!

ध्रुव!

ध्रुव!
क्या हुआ, नताशा? क्या ध्रुव यहां पर आया था?
आया था पापा! मेरे सपने में! फिर उसी सपने में जो मेरा पीछा ही नहीं छोड़ता।
ध्रुव मेरा कभी नहीं हो सकता! कभी नहीं!
आखिर ध्रुव यह समझने की कोशिश क्यों नहीं करता कि मुझको अपराध के रास्ते पर फिर से ढकेलने वाला समाज है! उसके भ्रष्ट लोग हैं! जिन्होंने मुझको न्याय पाने के लिए अपराध की दुनिया में वापस आने पर मजबूर कर दिया!
ध्रुव तुम्हारा सिर्फ एक ही सूरत में हाथ थामेगा, नताशा, जब तुम दोनों एक ही स्तर पर हो!
इसके लिए या तो तुमको भ्रष्ट समाज में जाना पड़ेगा, और या फिर ध्रुव को अपराधियों में शामिल होना पड़ेगा!
मैं उस झूठ की दुनिया में वापस नहीं जा सकती, पापा! कभी नहीं! वैसे भी उस दुनिया में मैं ज्यादा दिनों तक जिन्दा भी नहीं रह पाऊंगी!
तो फिर ध्रुव को अपराध की दुनिया में आना पड़ेगा!

यह कभी नहीं हो सकता! ध्रुव मर जाएगा, लेकिन अपराधी कभी नहीं बनेगा!
यह काम तुम मुझ पर छोड़ दो! एक बाप अपनी बेटी की खुशी के लिए कुछ भी करेगा! बस तुमको ध्रुव के अपराधी बनने पर एतराज नहीं होना चाहिए!
मुझे अपराधियों का शहंशाह यूं ही नहीं कहा जाता, नताशा! मैं ध्रुव को अपराध करने पर मजबूर कर दूंगा!
मुझे भला क्यों एतराज होगा! ध्रुव का अपराधी बनना तो मेरे फायदे में है! लेकिन आप ये करेंगे कैसे?
राजनगर में-
आईईई!
ये तो श्वेता के चीखने की आवाज है! किचन से आई है!
ओह, श्वेता! यह क्या? हाथ काट लिया तूने? किसने कहा था तुमसे किचन में घुस-कर सब्जी काटने को?

मम्मी ने!

ओ! मैं अभी मम्मी से पूछता हूं कि उन्होंने तुमको किचन में घुसने ही क्यों दिया! ओफ्! कितना खून बह रहा है! मैं अभी घाव की मरहम पट्टी कर देता हूं!

ला! दे अपनी उंगली मुझको!

लो!

यह क्या? नकली उंगली!

यानी तू मुझे बेवकूफ बना रही थी!

कोशिश कर रही थी!

लेकिन भगवानजी मुझसे बाजी मार ले गए! वे ये काम पहले ही कर चुके हैं!

ठहर तो!

इस संबंध में जानने के लिए पढ़ें **प्रतिशोध की ज्वाला**
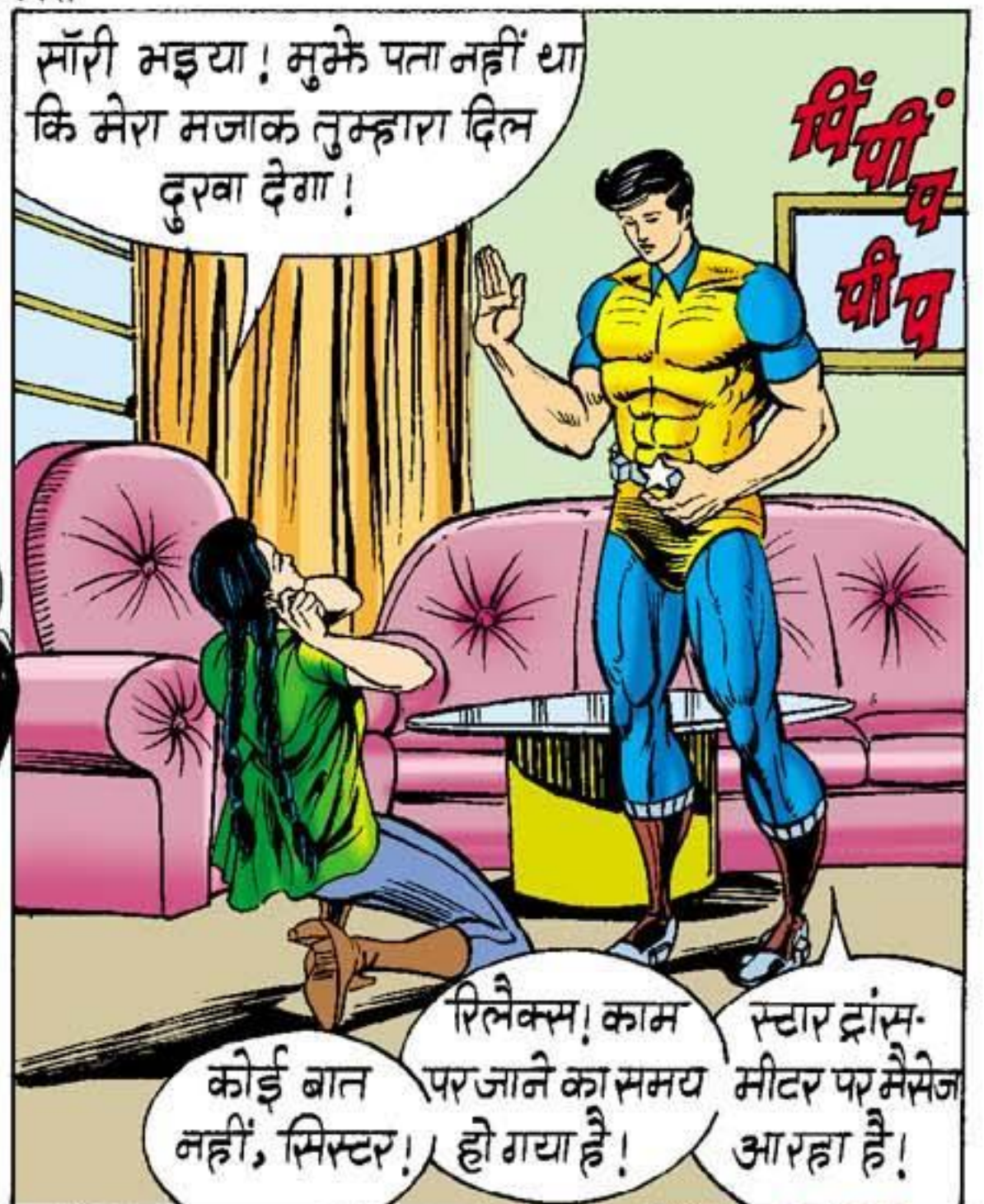
ध्रुव को नेशनल फॉरेस्ट के दहकते आग तक पहुंचने में पांच मिनट भी नहीं लगे-

क्या पोजीशन है?

ध्रुव! बुरी हालत है! फायर ब्रिगेड वाले एक तरफ की आग बुझाते हैं तो वो दूसरी तरफ की आग भड़का देता है! आग और धुंए के कारण पुलिस वाले भी उस तक नहीं पहुंच पा रहे हैं!

...तो शोला तुझ तक आएगा!
शोला, यानी आग का गोला!
मुझे तेरा ही इंतजार था ध्रुव!
तेरा नाम मेरे हाथों से मरने वालों की लिस्ट में जरूर जुड़ेगा, ध्रुव! क्योंकि यहां से न तो तू भाग सकता है, और न ही मेरे आग के गोलों से बच सकता है!
मेरा! ओह, यानी मुझे मारने की इच्छा रखने वालों की लिस्ट में एक नाम और जुड़ गया है...
इसको जल्दी ही रोकना होगा! वर्ना जंगल की यह आग राजनगर की आबादी तक भी पहुंच सकती है, और कहर ढा सकती है!
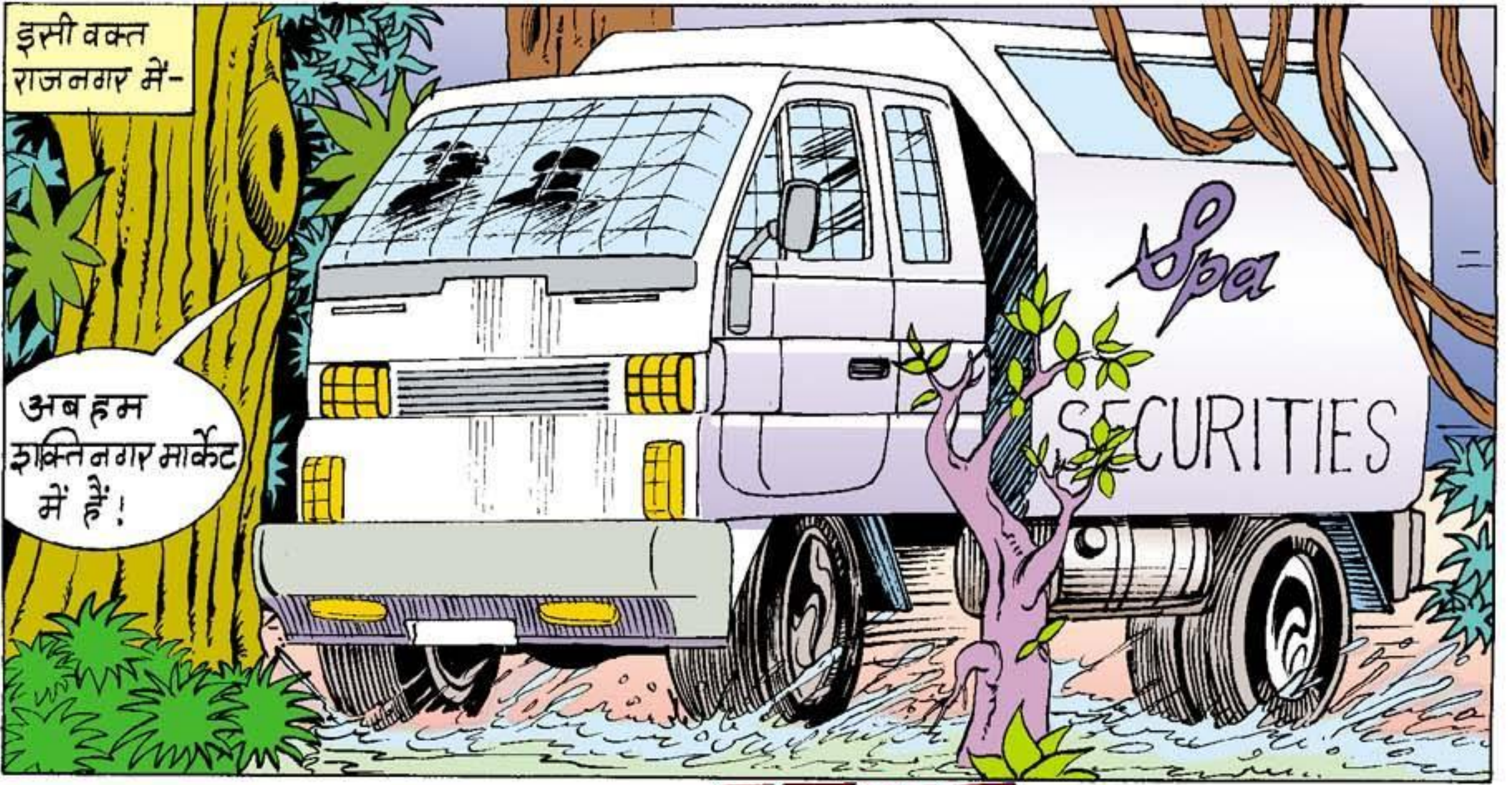
इसी वक्त राजनगर में-
अब हम शक्तिनगर मार्केट में हैं!
Spa SECURITIES
आगे से लेफ्ट ले लेना! बस दो ब्लाक के बाद बैंक की बिल्डिंग है! उनका पैसा उन तक पहुंचाने के बाद हमारा काम खत्म हो जाएगा!
धड़ाम
ओ शिट! टायर को भी इसी वक्त पंक्चर होना था!
चलो, उतरो! टायर बदलना पड़ेगा!
अरे! ये... ये हम कहां आ गए?
अभी तो हम शहर में थे! शक्ति नगर मार्केट में!
लेकिन ये तो जंगल है! शहर कहां चला गया?
शहर नहीं, शहर के सीन बोलो! दृश्य!

जिनको मैं वैन की विंड स्क्रीन और बन्द शीशों पर प्रक्षेपित कर रहा था! तुम दृश्य शहर के देख रहे थे, लेकिन वैन को जंगल में चला रहे थे!

तुम हमको जंगल में लाकर रुपए लूटना चाहते थे! लेकिन ऐसा होगा नहीं! शहर हो या जंगल, अपना काम यानी सुरक्षा करनी हमको बखूबी आती है!

वैसे तुम हो कौन?

चेस बोर्ड! और मुझे तुम्हारा पैसा नहीं चाहिए! मैं तो इस वैन को सिर्फ ऐसी जगह पर लाना चाहता था, जहां पुलिस को आने में समय लगे!

तुम लोगों से मेरी कोई दुश्मनी नहीं है! तुम तो इस खेल में सिर्फ मोहरे हो! मेरा निशाना तो राजा है! किंग!

आऽऽऽह! आऽऽऽह!

यानी तुम जानबूझ कर पुलिस को बुलाना चाहते हो! तुम्हारा इरादा आखिर है, क्या?

पुलिस गुट बनाकर आती है! उसको यहां तक पहुंचने में समय लगेगा! उससे पहले कोई और आएगा!...

... वह जिसका मुझे इन्तजार है!

यह तो मुझे पता नहीं कि तुमको किसका इंतजार है!

लेकिन जब तक वह नहीं आता, तब तक मैं तुमको कंपनी देने के लिए तैयार हूं!
सच पूछो तो मुझे तुम्हारा ही इंतजार था, चंडिका!
तुम तो मेरा नाम भी जानते हो! मैं खामख्वाह ही अपने आपको 'बी ग्रेड' की सुपर हीरोइन समझती थी!
क्योंकि जब राजनगर में ध्रुव नहीं होता तो मुसीबत को संभालने के लिए दो लोग ही आते हैं! इंस्पेक्टर स्टील या फिर चंडिका! भारी स्टील को घने जंगल तक पहुंचने में समय लगता ...
... लेकिन चंडिका को नहीं!
लेकिन तुमने ये कैसे सोचा कि अभी मैं ही आऊंगी! और कोई नहीं!
यह सोचा-समझा षड्यंत्र लगता है! इसको पता है कि भइया राजनगर में नहीं है!
शायद उसको जानबूझकर कहीं और बुलाया गया है! पर क्यों? मुझसे भला इसे क्या काम होगा?

इस षड्यंत्र का एक हिस्सा राजनगर की सीमा से बाहर के जंगलों में खेला जा रहा था-

कुछ भी कर ले ध्रुव ! तू बच नहीं सकता ! क्योंकि ये आग बुझ नहीं सकती !... अब तक तो फायर ब्रिगेड की गाड़ियों में पानी भी खत्म हो गया होगा !

इसका अन्दाजा सही है ! फायर ब्रिगेड वालों की दिशा से कोई आवाज नहीं आ रही है, और आग फैलती जा रही है ! ... अपनी पर्सनल फायर ब्रिगेड का इंतजाम करना होगा !

चियांयांयां

हाथियों के बेशुमार झुंड! और सबकी सूंडों में पानी भरा हुआ है! ये पानी से आग को बुझाते हुए यहां तक आ पहुंचे हैं!

और गर्म गैसों के तेजी से बाहर निकलने से 'जेट-इफेक्ट' पैदा होता है, और इस इफेक्ट की मदद से उड़ा जा सकता है!

अब मैं हवा से हमले करूंगा!

और तेरी 'एलीफैंट फायर ब्रिगेड' तितर-बितर हो जाएगी!

तू हवा में उड़कर वार करेगा!

तो मैं हवा में ही उड़कर तुझे मारूंगा! ओsss

कोशिश अच्छी की! पर काम नहीं आएगी! वापस जा पेड़ पर!
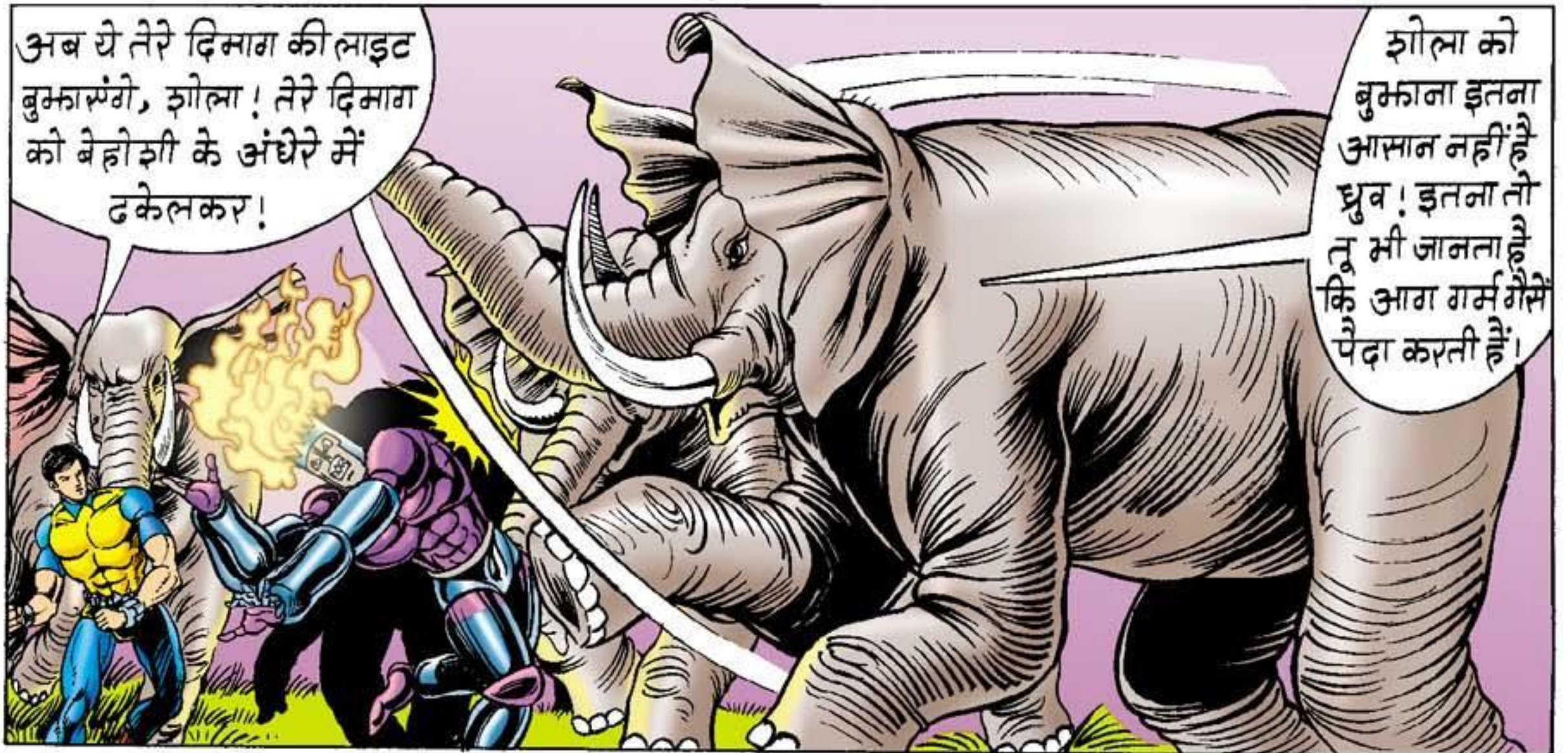
लेकिन... लेकिन यह क्या? यह कैसे हो सकता है? शायद यही शोला को हराने का रास्ता है!

ध्रुव को तो रास्ता शायद सूझ गया था-

लेकिन चंडिका के पास कोई प्लान नहीं था-

आऽऽऽह!

मैं तो चीख चुकी!

अब तुम्हारी बारी है!

कहानी 19 पेज से जारी

मैं नहीं चिल्लाऊंगा! चिल्लास्गी तू! और कई महीनों तक कराहती रहेगी!
ओSSS! इसकी पोशाक पर विस्फोटक ब्लॉक्स भी चिपके हुए हैं!
ये ब्लॉक्स इसके हाथों से छूटने के लगभग चार सेकंड बाद फटते हैं! और इस बात का मैं फायदा उठा सकती हूं! ...
ये छूटे इसके हाथ से ब्लैक बॉक्स...
...और जब तक ये मेरी किक खाकर उसके पास तक पहुंचेगा, तब तक चार सेकंड हो चुके होंगे! ...
...हो गए!

आऽऽऽह!
सीधी लड़ाई में तुझसे जीतना मुश्किल लगता है! इसलिए लड़ाई का तरीका बदलना होगा!
बड़ाम
भड़ाम
ओऽऽऽह! अब ये क्या कर रहा है? मेरी आंखों के आगे काले-काले धब्बे क्यों नाच रहे हैं?
ये धब्बे नहीं, बल्कि मेरी पोशाक में लगे कई मिनी प्रोजक्टरों द्वारा प्रक्षेपित दृश्य है! सारा दृश्य चेस बोर्ड के काले-सफेद खानों से ढक गया है! और इस बैकग्राउंड में मैं ऐसा घुल-मिल जाऊंगा कि तू मुझे देख नहीं सकेगी!
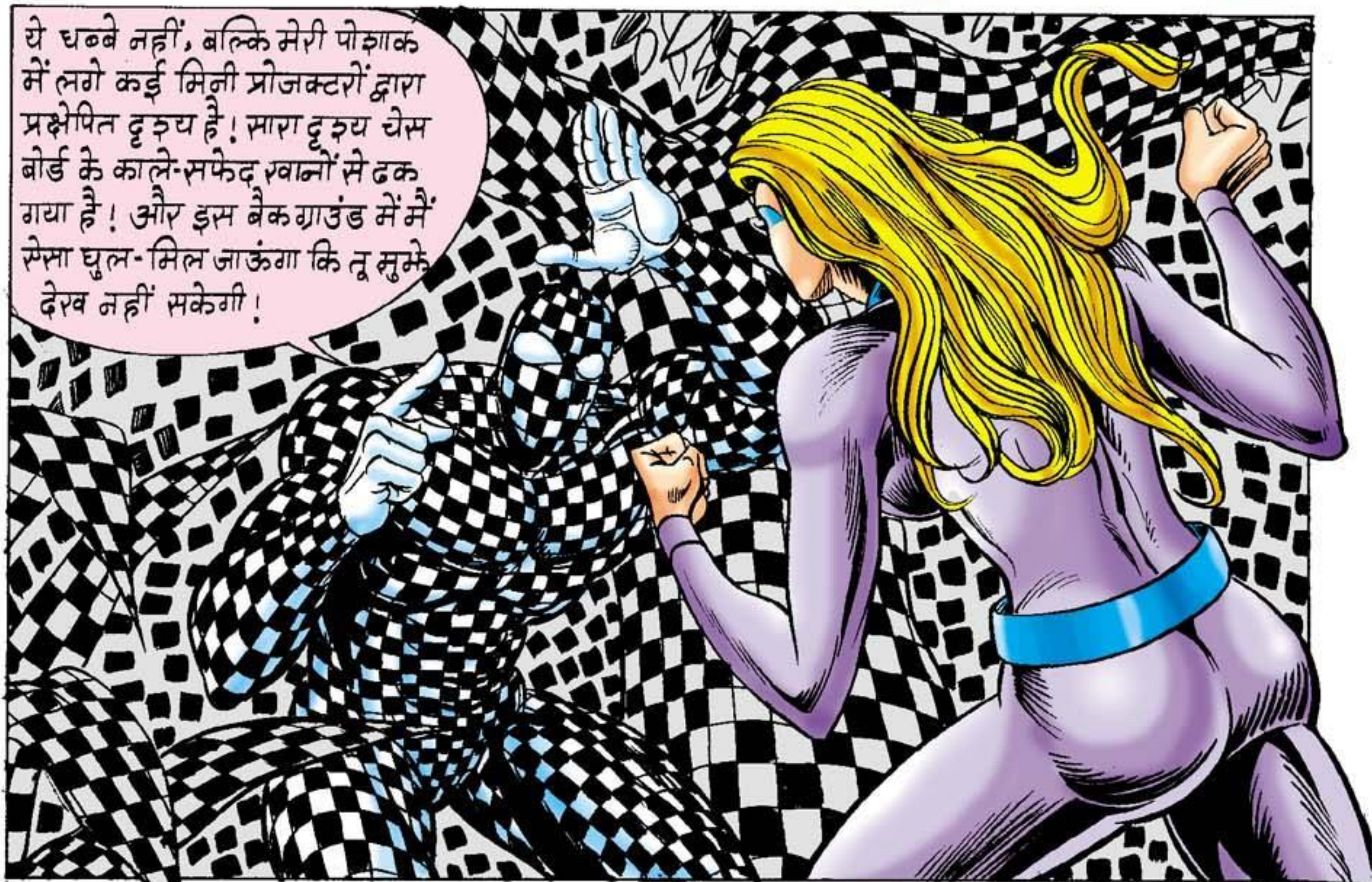
ध्रुव ने आर-पार की लड़ाई लड़ने की ठान ली थी-
ओऽऽऽह! तू कुछ पलों के लिए मेरी नजरों से ओझल हो गया तो मुझे लगा कि तू भाग गया! लेकिन नहीं! तू मुझ पर हमला करने की योजना बना रहा था! पर इस बार मेरा वार नहीं चूकेगा! और न ही तू वार को बचा पाएगा!
नहीं; बचाऊंगा!
अब तुम मेरा वार बचाने की कोशिश करो!
य... यह क्या जादू है! तू मेरे आग के गोलों को झेल गया! और झुलसा तक नहीं! कैसे?
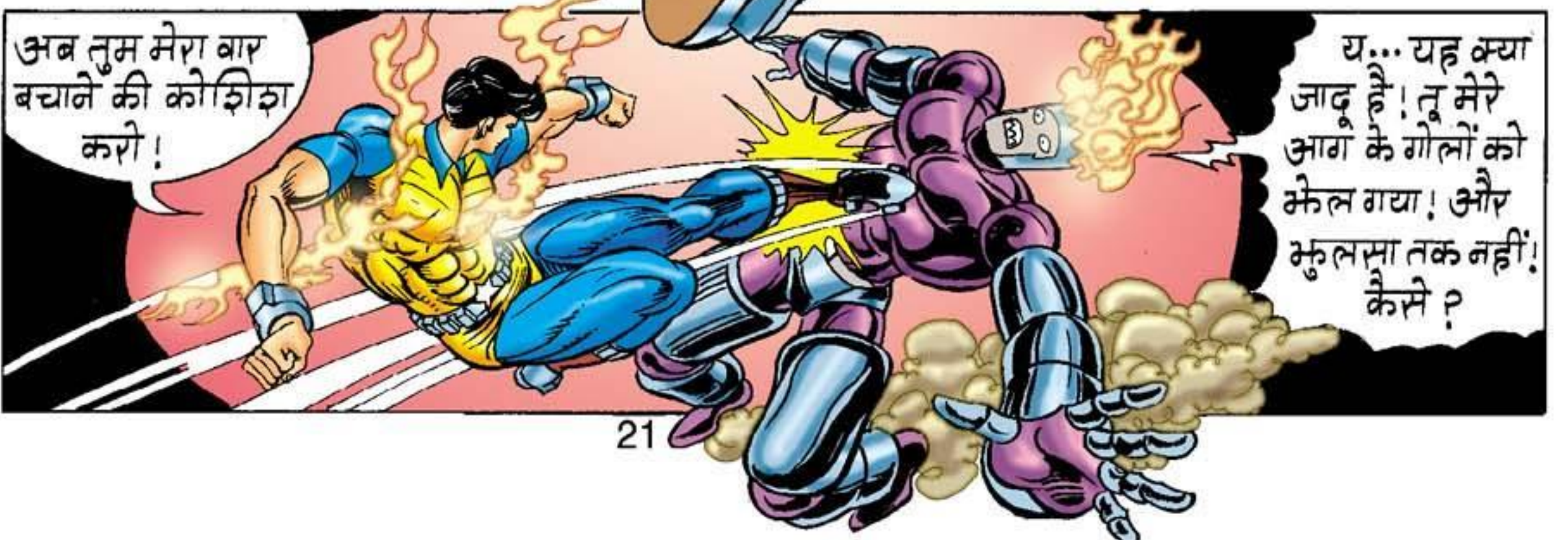
तू जिनको जलाने की कोशिश कर रहा है, शोला! उन्होंने ही मुझे तुमसे निपटने का रास्ता दिखाया है!
देख इस पेड़ को! आस-पास के पेड़ लपटों में घिरे हुए हैं, लेकिन यह पेड़ सलामत है! सिर्फ इसकी छाल फट गई है! और इसके अंदर से गोंद जैसा एक चिपचिपा पदार्थ निकल रहा है!
देखते ही मुझे समझ में आ गया कि इस चिपचिपे पदार्थ में अग्निरोधी गुण हैं! प्रकृति ने कई पेड़-पौधों को अपनी सुरक्षा के लिए ऐसे चमत्कारी पदार्थ दिए हुए हैं!
बस! मैं इसी का लेप अपने शरीर पर लगाकर तुमसे भिड़ने चला आया! और पेड़ के गोंद ने मुझे धोखा नहीं दिया!
मैं तुझे जला नहीं सकता, लेकिन तू मुझको जंगल जलाने से रोक नहीं सकता, ध्रुव!
मैं कौन होता हूं तुझे रोकने वाला? तुझे तो वे ही रोकेंगे...
...जिनको तू नुक्सान पहुंचा रहा है!
ओsss ह! आssss ह! मेरे सारे शरीर पर यह गोंद चिपक गया है! इसने मेरे आग छोड़ने वाले यंत्रों को भी ढक लिया है! मैं शोले यानी आग के गोले नहीं छोड़ पा रहा हूं!

ये गोंद मेरे कवच की गर्मी से सूख गया है! और मैं इस कड़े गोंद के शिकंजे में फंस गया हूं!
अब बताओ कि इस आग को लगाने के पीछे तुम्हारा उद्देश्य क्या था? तुम क्यों फैला रहे थे ये विनाश?
ये विनाश सिर्फ तुमको यहां पर बुलाने के लिए फैलाया गया था, ध्रुव! ताकि तुम यहां पर फंसे रहो!
और हम तुम्हारे हाथ एक-एक करके काट सकें!
क्या मतलब?
तुम्हारे साथियों को हम खत्म कर रहे हैं! पहला नंबर चंडिका का है!
नहीं! किसने रचा है यह षड्यंत्र? बता? वर्ना तू कभी अपने पैरों पर चल नहीं पाएगा!
खोखली धमकियां देनी छोड़ो, और जाकर बचा सकते हो तो बचा लो चंडिका को! जाओ!
जाता हूं, लेकिन तेरी जुबान खुलवाने में जल्दी ही वापस आऊंगा!
ध्रुव के जाते ही-
शाबाश, शोला! तूने ध्रुव को यहां पर इतनी देर रोककर एक नया रिकॉर्ड कायम किया है!
लेकिन मैं उसको मार नहीं पाया!

ध्रुव को मारना न तो हमारा काम है और ना ही हमारे बस की बात! तुम्हारा काम ध्रुव को कुछ देर तक यहां रोक कर रखना था। अब मैं तो चलता हूं चेस बोर्ड की मदद के लिए। क्योंकि वहां पर ही इस नाटक का अगला हिस्सा खेला जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा।
पर मुझे तो छुड़ाते जाओ बॉस।
अभी टाइम नहीं है। तू कोशिश करता रह! नहीं छूटा तो लौटकर तुझे आजाद करा दूंगा!

राजनगर के पार- आबादी से दूर- चंडिका, चेस बोर्ड से जूझ रही थी-
ओह! मैं इसको ठीक से देख नहीं पा रही हूं! वार करूं तो कैसे?
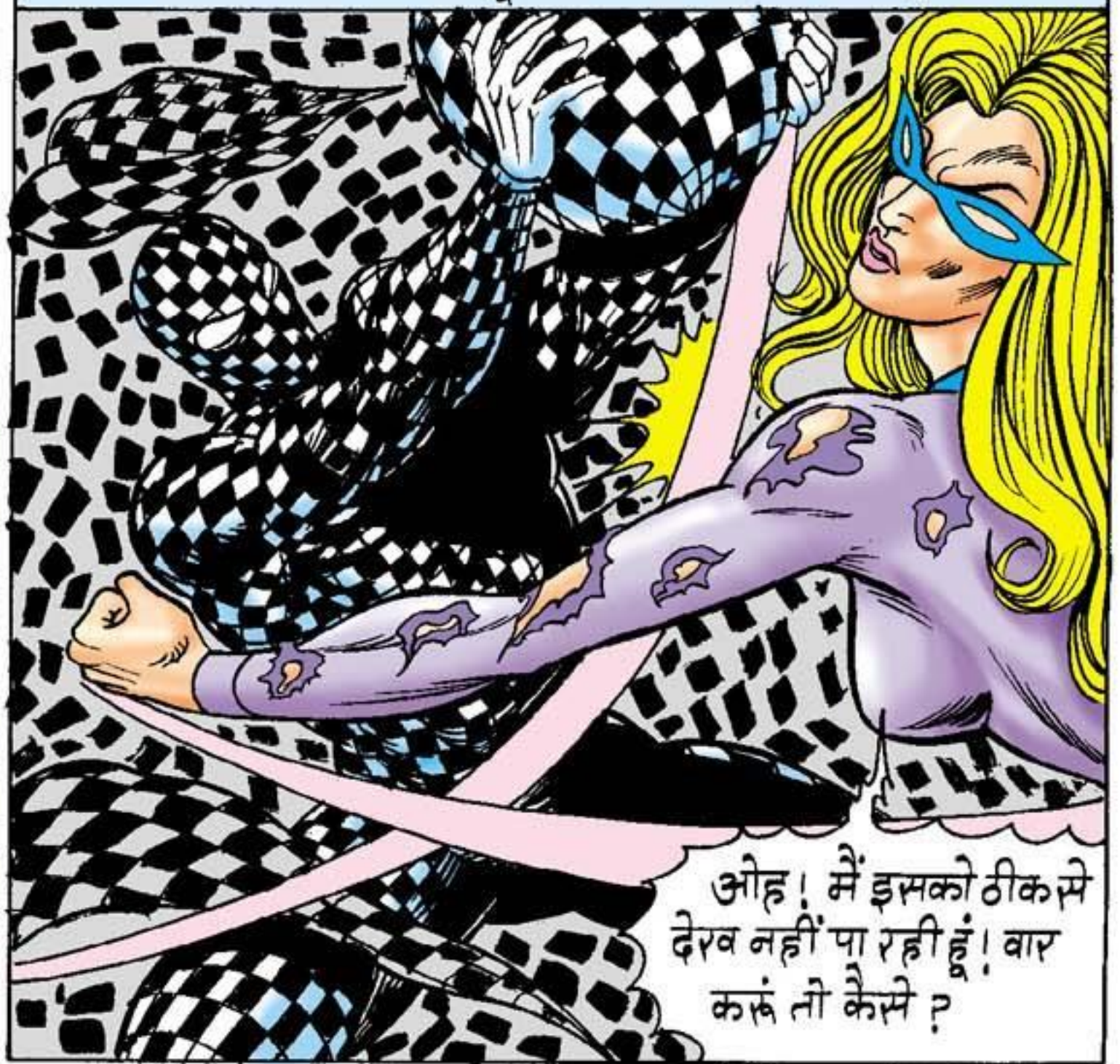
मैं अपने होशोहवास कायम नहीं रख पा रही हूं! मुझे होश में रहते ही यहां से निकलना होगा! वर्ना बेहोशी से चंडिका का रहस्य खुल सकता है!
ओह! तू अभी भी भाग सकती है? बड़ी सख्त जान है!

यानी तू अभी और पिट सकती है!
धड़ाक
नहीं!
जिनमें से दो ये हैं! इस चिड़िया की जिसने तुम्हें ढूंढ़ निकाला है!
ध्रुव! तुम यहां तक कैसे आ पहुंचे?
ध्रुव की लाखों आंखें हैं!
ओह! बैंक वाले वैन लेकर जा चुके हैं! यानी मेरा काम हो गया है! अब यहां रुकना बेकार है! भइया सब संभाल लेगा!

मुझे किसी भी तरह से घर पहुंचने तक अपने होशो हवास को संभाले रखना होगा! आऽऽऽह!
चंडिका अपने आपसे लड़ रही थी-
और ध्रुव चेस बोर्ड को 'चोट लगने' का मतलब समझा रहा था-
मैंने तुझे चंडिका को चोट पहुंचाते हुए देखा था! जिस बेरहमी से तूने उसे घायल किया है, मैं उतनी बेरहमी तो नहीं दिखा सकता, लेकिन तुझे उससे ज्यादा घायल जरूर कर सकता हूं!
मैं घायल होता नहीं, घायल करता हूं, सुपर कमांडो!
सारा बैकग्राऊंड चेस डिजाइन से भर गया है, और चेस बोर्ड उसमें गायब हो गया है!
आऽऽऽह!
हाहाहा! मैं तो तुमसे बेकार ही डर रहा था! मेरे पास तो तुझे खत्म करने लायक शक्तियां हैं!
आऽऽऽह! इसने तो मुझको लगभग अंधा कर दिया है!

मैं समझ गया! एकाएक बैकग्राउंड पर चेस बोर्ड की डिजाईन उभरने का कारण एक ही हो सकता है! प्रोजेक्टर!
बैक ग्राउंड पर चेस बोर्ड के सीन प्रक्षेपित किए जा रहे हैं! और ऐसा कर सकने लायक प्रोजेक्टर चेस बोर्ड की पीठ पर फिट होंगे! क्योंकि इसके पीछे के दृश्य ही सफेद-काले वर्गों से भर रहे हैं! समझ में आ गई इसकी चाल की काट!
अब जैसे ही यह मुझ पर वार करेगा, मैं इसकी स्थिति का अनुमान लगा-कर...
...इसके पीछे पहुंच जाऊंगा! अब यह मुझको साफ-साफ दिखाई दे रहा है!
आऽऽऽह! तूने मुझे देख सकने का रास्ता ढूंढ़ निकाला है, ध्रुव!
लेकिन अब बता कि तू मुझे कैसे देखेगा? लेकिन मुझसे ये सवाल मत पूछना!...
...क्योंकि मैं अपनी आंखों पर लगे 'इन्फ्रारेड सेंसर' की मदद से सब देख सकता हूं! खास तौर से तुझे!
आऽऽऽह!

कोई इस लड़ाई को ध्यान से देख रहा था-
अब ध्रुव को गुस्सा दिलाना है। ताकि वह गुस्से में अपने होशो हवास खो बैठे।
और उसके बाद चेस बोर्ड को मैसेज भेजना है। उसके कानों में लगे 'इयर प्लग्ज' के जरिए!
आऽऽऽह! अब ये ब्लेड्स से वार कर रहा है!
इसको जल्दी काबू में करना होगा! और उसके लिए एक तरीका मेरे दिमाग में आ रहा है!
अगले ही पल ध्रुव का शरीर एक ऊंची डाल पर था-
यहां से मैं नीचे फैले धुएं को देख सकता हूं! चेस बोर्ड का शरीर चारों तरफ से धुआं छोड़ रहा था...
... यानी चेस बोर्ड का शरीर इस धुएं के बीचो-बीच में या उसके आस-पास ही होगा!
ये रहा!

ओऽऽऽह! तुमसे छुपने के लिए कोई जगह है भी या नहीं?
ओह! बॉस का मैसेज आ रहा है! राजनगर के 'सस्पेंशन-ब्रिज' की तरफ भागने के लिए कह रहा है!
मैं तो वैसे भी भागने ही वाला था!
ओऽऽऽ! बॉस और कुछ भी बता रहा है!
और फिर-
अरे! कहां गया चेस बोर्ड? शायद भाग गया है! धुआं भी छंट रहा है! लेकिन यह नीचे क्या गिरा हुआ है?
यह तो एक 'कैमकॉर्डर' है! वीडियो कैमरा! यानी चेस बोर्ड इस पूरी लड़ाई की वीडियो भी तैयार कर रहा था! शायद अपने बॉस को दिखाने के लिए! अभी देखता हूं कि क्या है इस वीडियो टेप में!
ओफ! कितनी बेदर्दी से मारा है चंडिका को! उस चंडिका को जिस पर मुझे श्वेता होने का शक है! अपनी प्यारी बहन होने का!
हो सकता है कि श्वेता चंडिका न भी हो! लेकिन फिर भी मैं चंडिका को इस बेदर्दी से मारने वाले को छोड़ूंगा नहीं! एक-एक चोट का हिसाब लूंगा! और चोट का दाम चोट से ही चुकाऊंगा!
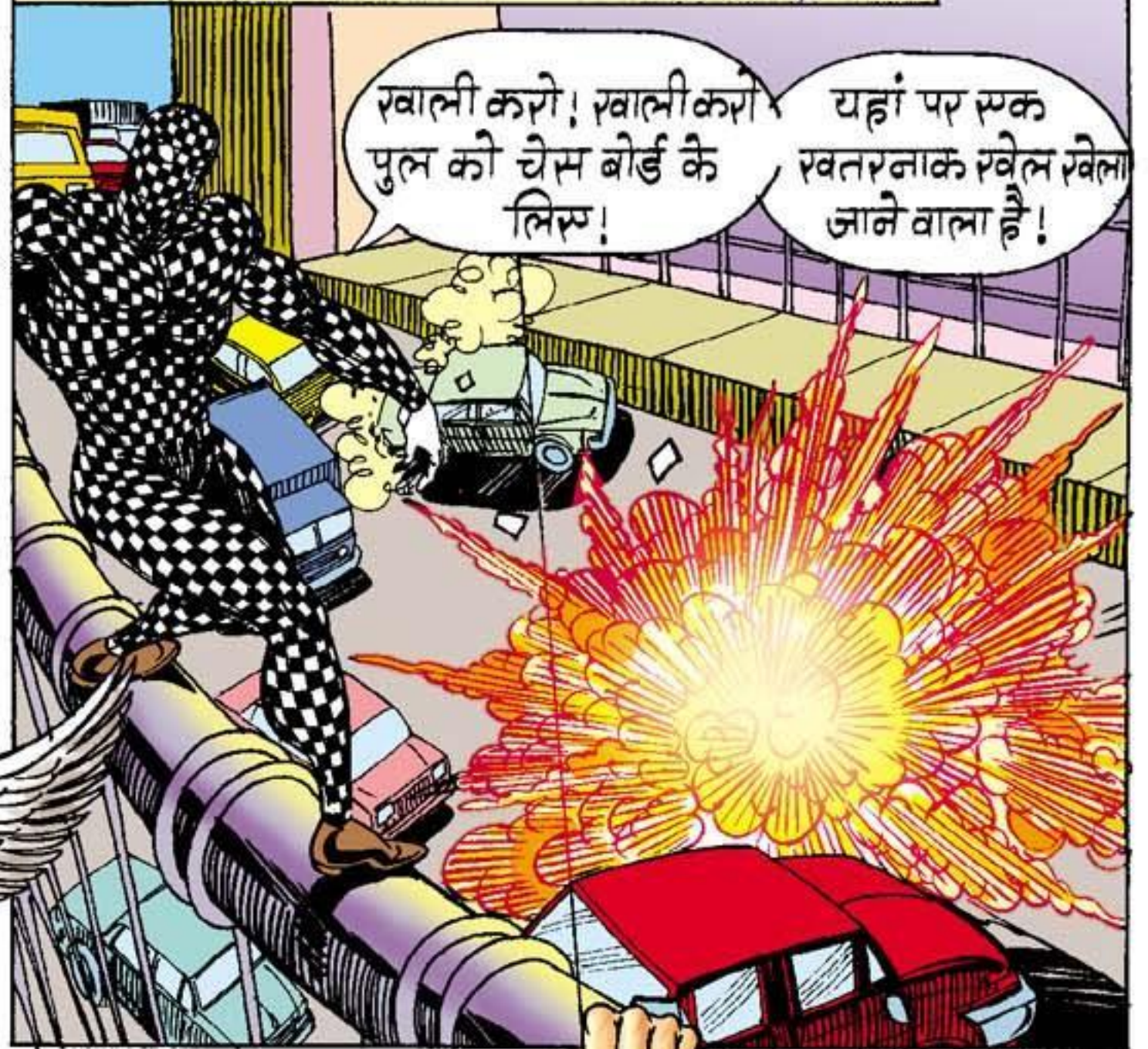
ध्रुव और चंडिका के गहरे दोस्त होने के बारे में सबको पता है! जाहिर है कि अपनी गहरी दोस्त की ऐसी धुनाई होते देखकर ध्रुव का खून खौल उठेगा! इसका खून खौलाने के लिए ही मैंने वीडियो फिल्म शूट करके कैमरे को नीचे फेंक दिया था!
ढूंढ निकालो दोस्त!
चेस बोर्ड जहां कहीं भी हो, उसे ढूंढ निकालो!
चेस बोर्ड राजनगर के सस्पेंशन ब्रिज पर आ पहुंचा था-
खाली करो! खाली करो पुल को चेस बोर्ड के लिए!
यहां पर एक खतरनाक खेल खेला जाने वाला है!
वह खेल सिर्फ तुम्हारे लिए ही खतरनाक है चेस बोर्ड!
क्योंकि इस खेल में सिर्फ तुम्हारी हड्डियां ही टूटेंगी!
आऽऽऽह! तू फिर आ गया?
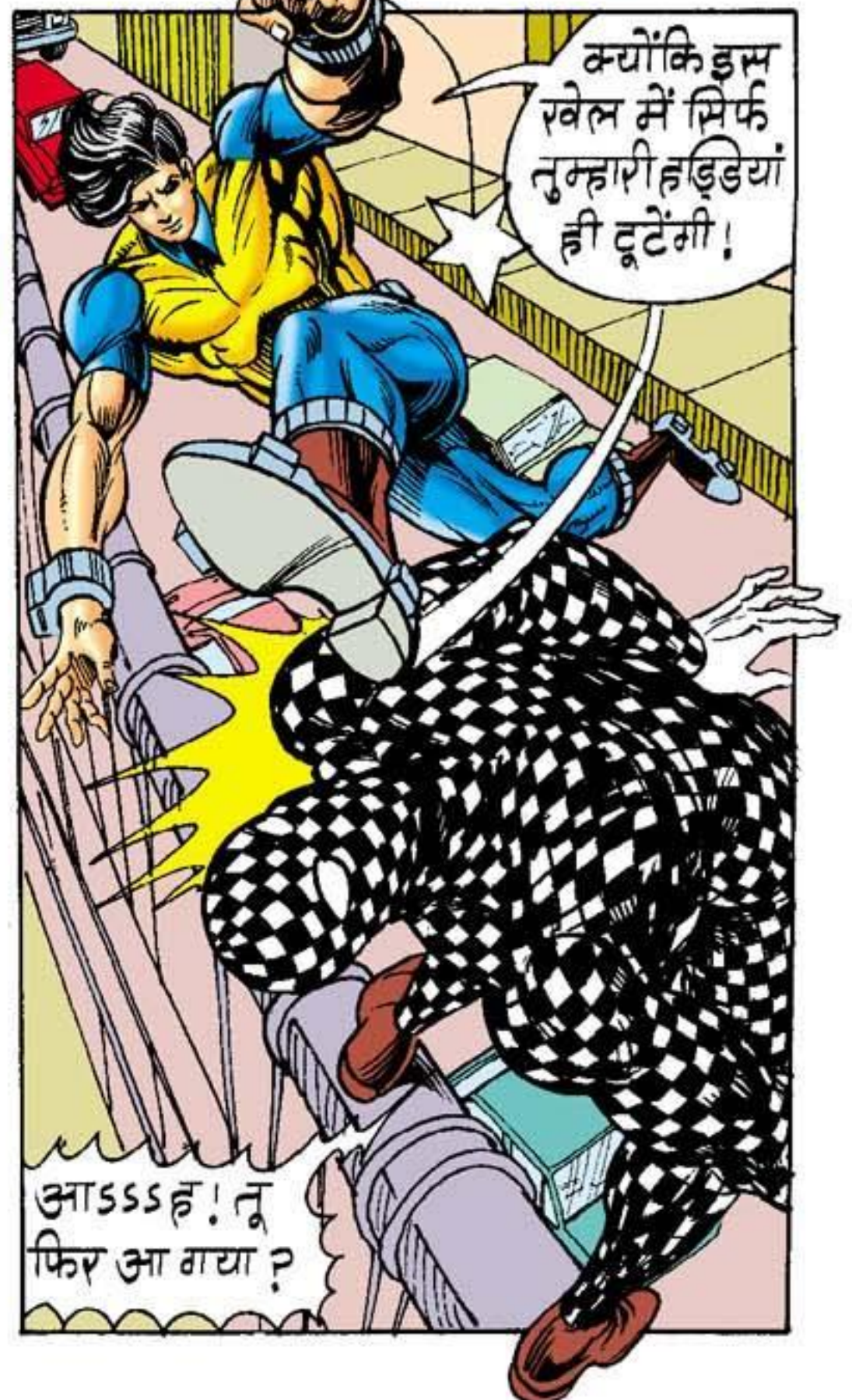
आऽऽऽह! तू बहुत गुस्से में लगता है! मुझे मारना चाहता है, न!
तो आ! आजा मेरे पास, मार मुझे! तोड़ दे मेरी हड्डियां पब्लिक के सामने!
जरूर तोड़ूंगा! एक-एक हड्डी को कई-कई टुकड़ों में तोड़ूंगा!
लेकिन जरा संभलकर! तुम्हारे पैर के नीचे जो चेस बोर्ड है, उसके खानों का रंग तेजी से बदल रहा है, काला खाना नीचे लाइट जलाने से सफेद हो जाता है, और लाइट बंद होने पर फिर काला!
और अगर तुम्हारे पैर का दबाव लाइट जले सफेद खानों पर पड़ गया...
...तो धमाका हो जाएगा!
तो फिर मैं स्टार लाइन पर उड़कर तुझे मारूंगा!
न न न! ये खेल के नियमों के खिलाफ है...

तुझे अगर मुझ तक पहुंचना है तो तुझको मुझ तक इन काले-सफेद खानों पर चलकर ही आना पड़ेगा!
लेकिन एक ऐसा नियम है जो खास मेरे लिए ही बना है!
मेरे नीचे जो भी खाना पड़ेगा, वह काला ही होगा! क्योंकि मेरे शरीर में ऐसे सेंसर लगे हैं, जो इस चेस कालीन की जलती बत्तियों को बुझा देते हैं! और सफेद खाने भी काले हो जाते हैं!
ओह! तब तो मैं तेरे कालीन से बाहर आने का इंतजार करूंगा!
और तब तक मैं आराम से विनाश फैलाऊंगा!
ओह! तब तो मुझे तेरे पास आना ही पड़ेगा!
आ जा! वर्ना तू चंडिका की पिटाई का बदला कैसे चुकाएगा!
परफेक्ट! ध्रुव को चेस बोर्ड पर वार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है! वह भी जनता के सामने!

कहानी 35 पेज से जारी

ओह! मैं इसकी हड्डियां तोड़ने के लिए बेताब हो रहा हूं! लेकिन इस तक पहुंचूं तो कैसे? लाख कोशिशों के बावजूद भी पैर सफेद खाने पर पड़ ही जाता है!
मेरी... या तेरी?
हा हा हा! बता तो ध्रुव? किसकी हड्डियां टूट रही हैं!
ओह! बहुत हो गया! मुझे इस तक पहुंचने का एक रास्ता समझ में आ गया है!
अब मेरा पैर किसी खाने पर नहीं पड़ेगा! जूतों के सोल में धंसे 'स्टार ब्लेड्स' की मदद से मैं अपने पैर, खानों के बीच में बनी पतली पट्टियों पर रख सकता हूं!...
...और तेरी हड्डियों तक पहुंच सकता हूं!
आऽऽऽह!
अब मैं क्या करूं? बचा लो मुझे! बचा लो, राजनगर वालों! वर्ना चंडिका को पीटने के खुन्नस में ये मेरी जान ले लेगा!

अच्छा ही करेगा! तुम जैसे लोगों को तो पहले फांसी पर लटकाना चाहिए, और फिर मुकदमा चलाना चाहिए!
सुन लिया जनता का फैसला? अब सुन अपनी हड्डियों के टूटने की कड़कड़ाहट!
कड़ाक
आऽऽऽह! ये तूने मुझे कहां पर मार दिया! यहां तो मेरी 'एक्सप्लोसिव चिप्स' का कंट्रोल लगा है।
...अब मेरी 'एक्सप्लोसिव चिप्स' अनियंत्रित हो रही है! मेरे शरीर पर ही फट रही है! आखिर तूने मुझे मार ही डाला! ले लिया अपना बदला!
शायद पानी मुझे बचा सके! बचा ले नदी मइया मुझे! बचा ले मेरी जान!
लेकिन-
ओऽऽऽ! ये... ये तो पानी की सतह छूने से पहले ही फट गया! मैंने जान ले ली इसकी! मैं हत्यारा बन गया!
बड़ाम
मेरी बरसों की कसम टूट गई!
अंजाने में ही सही, लेकिन मैंने एक इंसान को मार ही डाला!

मुझे इसको बचाना होगा! मैं मरने नहीं दूंगा इसको!
छपाक
ध्रुव भी नदी में कूद गया-

लेकिन-
चेस बोर्ड का कहीं कोई पता नहीं है! शायद लहरें उसे दूर बहा ले गई हैं!
अब उसके बचने की संभावना शून्य है! एकदम जीरो!

कुछ समय बाद-
ये जली लाश हमको नदी में राजनगर सस्पेंशन ब्रिज से दो किलोमीटर दूर मिली है! क्या यही शख्स चेस बोर्ड है, ध्रुव?
हां, इंस्पेक्टर! आप मुझे हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर सकते हैं!
तुम हत्यारे नहीं हो, ध्रुव! प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ये एक एक्सीडेंट था! एक हादसा!

इसका फैसला अदालत को करने दीजिए! फिलहाल तो मैं आत्मसमर्पण कर रहा हूं! मुझे पुलिस लॉकअप में बन्द कर दीजिए!

इसी वक्त-
श्वेता! क्या हुआ तुझको?
डॉक्टर साहब का फोन आया कि तू नर्सिंग होम में है! सुनकर मेरी तो जान ही निकल गई!
मम्मी!
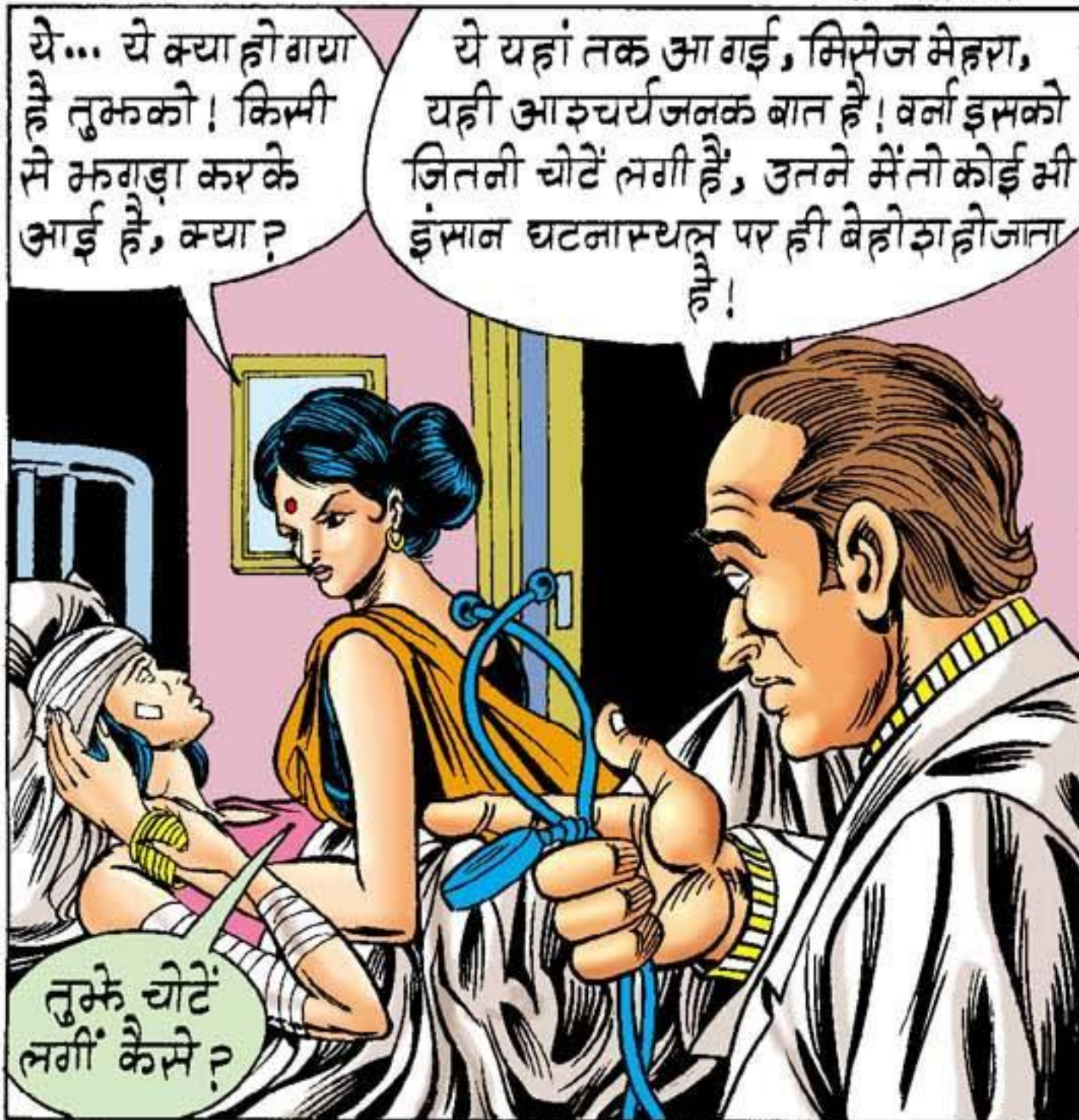
ये... ये क्या हो गया है तुझको! किसी से झगड़ा करके आई है, क्या?
ये यहां तक आ गई, मिसेज मेहरा, यही आश्चर्यजनक बात है! वर्ना इसको जितनी चोटें लगी हैं, उतने में तो कोई भी इंसान घटनास्थल पर ही बेहोश हो जाता है!
तुझे चोटें लगीं कैसे?

साइकिल से मम्मी!
साइकिल से! तुझे ये सारी चोटें एक साइकिल से टक्कर की वजह से लगीं? कहां की थी वह साइकिल?
एक ट्रक पर लदी थीं! मेरी बाईक की ट्रक से टक्कर लगी, और ट्रक में लदी साइकिलें एक के बाद एक मुझ पर आ गिरीं!
मैं तो ट्रक का नंबर तक नहीं देख पाई!

वैसे चिन्ता की कोई बात नहीं है! ये दो-तीन दिनों में घर जाने लायक हो जाएगी! फिलहाल तो मुझे इसको एक 'पेन किलर' का इंजेक्शन लगाना होगा! उससे इसको नींद भी आ जाएगी! जितना आराम करेगी, उतनी ही जल्दी ठीक होगी!
मम्मी!
अब मैं क्या करूं बेटी? सुई तो लगेगी ही!

ध्रुव की हालत के बारे में न तो रजनी को पता था, और न ही श्वेता को-
तुम्हारी जमानत तो अब कल सुबह से पहले नहीं हो पाएगी ध्रुव! वैसे तुम अपनी जमानत के लिए किसको बुलाना चाहते हो?
अपने घर में मैं अभी यह खबर पहुंचाना नहीं चाहता!
सब परेशान हो जाएंगे!
तुम चिन्ता मत करो!
तुम्हारी जमानत का इंतजाम मैं करूंगा!
और फिर कोर्ट में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा!

ध्रुव की गिरफ्तारी का जश्न भी मनाया जा रहा था-

मैंने कर दिया तुम्हारा काम नताशा! ध्रुव अपराधी बन गया है! इस वक्त वह हत्या के आरोप में लॉकअप में बन्द है!

अदालत उसको साफ बरी कर देगी! सभी कह रहे थे कि यह एक एक्सीडेंट था! ध्रुव ने कोई हत्या नहीं की है, और न ही वह अपराधी है!

ऐसा नहीं होगा। मैंने चंडिका की पिटाई की जो कैसेट बनाई थी, मैं उसको पुलिस के पास पहुंचा दूंगा! सुबूत के रूप में!

फिर मैं चेस बोर्ड की तरफ से मुकदमा लड़ूंगा, और कैसेट के आधार पर यह साबित कर दूंगा कि ध्रुव ने यह हत्या गुस्से में जान-बूझकर की है!

हो भी सकता है, और नहीं भी हो सकता है!

और सभी हमारी बात का यकीन इसलिए करेंगे, क्योंकि जब भगोड़ा बेहोश ध्रुव, पुलिस के हाथ फिर से लगेगा, तो उसके हाथ में वही कैसेट होगी!
इससे स्पष्ट हो जाएगा कि ध्रुव, कैसेट पाने के लिए ही लॉकअप से भागा था! और वह इसलिए क्योंकि उसको कैसेट से खतरा था! अपराधी सिद्ध होने का खतरा!
शाबाश! अब तुम्हारी बातें मेरी समझ में आ रही हैं! इस प्लान पर काम शुरू कर दो! मैं आराम करने जा रही हूं! उठूं तो खुशखबरी देना!
षड्यंत्र पर काम शायद तुरन्त ही शुरू हो गया-
क्योंकि पुलिस लॉकअप में-
फुऊऊ
रामसिंह! क्या हुआ तुमको?
कौन है वहां पर?
धड़ाम
मैं तुम्हारे लिए आई हूं, ध्रुव!
तुमको इस षड्यंत्र से बाहर निकालने के लिए!
षड्यंत्र?
तुम हो कौन?
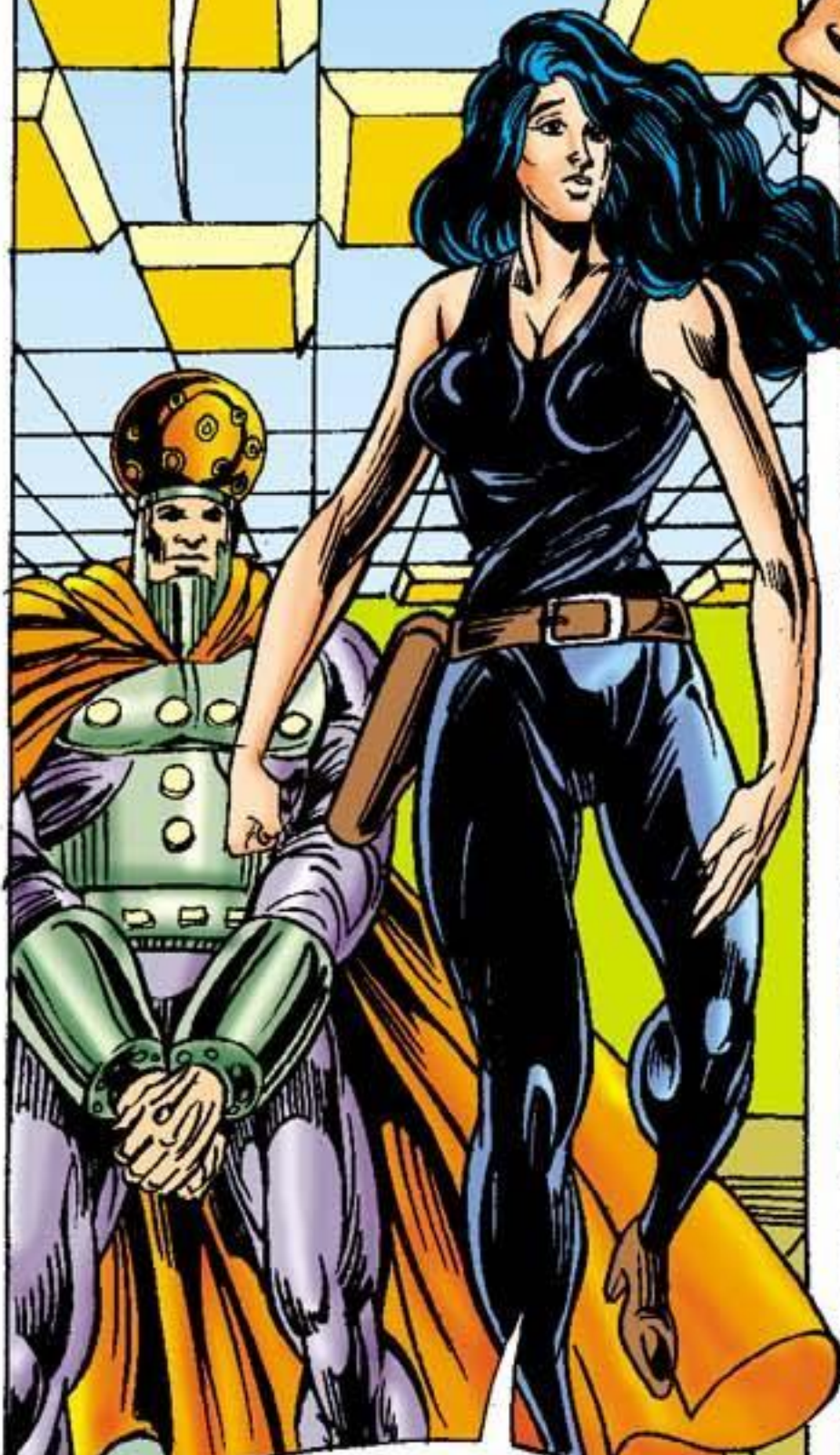
शाला! तुमको फंसाया गया है, ध्रुव! तुम अपराधी नहीं हो!

इसीलिए मैं तुमको यहां से निकालने आई हूं, ताकि तुम बाहर निकलकर अपने-आपको निर्दोष साबित कर सको!

शाला! पहली बार देख रहा हूं तुमको! तुम कौन हो, और मैं तुम्हारी बात का यकीन क्यों करूं? हो सकता है कि तुम मुझे फंसाने आई हो!

नहीं ! तुम अपराधी नहीं हो ! ध्रुव कभी अपराधी हो ही नहीं सकता !

तो फिर लॉकअप से भगा-कर तुम मुझे अपराधी क्यों बनाना चाहती हो ?

तुम एक झूठे आरोप में बन्द हो ! वैसे भी यह मेरी मजबूरी है ! मैं अकेली तुमको निर्दोष साबित नहीं करा सकती ! मुझे तुम्हारी मदद चाहिए ! ...

... और अगर तुम लॉक-अप में बन्द रहे, तो तुमको फंसाने वाले किसी न किसी तरीके से तुमको भागने पर मजबूर कर ही देंगे !

जैसे तुम्हारे मां-बाप को खत्म करने की धमकी देकर ! या राजनगर में तबाही फैलाने का ऐलान करके ! ... ओह ! कोई आ रहा है !

अरे ! ये पुलिस वाले तो पहले से ही बेहोश पड़े हैं !

सो रहे होंगे ! दुनिया जानती है कि हमारी पुलिस सोती रहती है !

नर्व गैस छोड़ो ! ये बेहोश हों या न हों ! ध्रुव को होश में नहीं रहना चाहिए !

फिस्सस

बेहोश हो गया ! ले चलो इसे खींचकर !

ध्रुव बाहर जाए या नहीं !

तुम लोग बाहर नहीं जाओगे।

आह!

तू कौन है, और हमारे काम में टांग अड़ाने कहां से आ गई?

ये प्रशिक्षित लड़ाके हैं! कोई सड़क छाप गुंडा इतनी जल्दी संभलकर वार नहीं कर सकता!

इनका संबंध जरूर किसी बड़े गैंग से है!

आऽऽऽह!

ध्रुव भी होश में है! यानी इस लड़की को हमारा प्लान पहले से ही पता था, और इसने ध्रुव को हमारा प्लान बता दिया है!

वही, जिसके पास मैं तुमको लेकर जा रही हूं!
POLICE STATION
अरे! ये लड़की है कौन? हमारा काम खुद ही कर रही है!
ध्रुव को लॉकअप से भगाकर अपराधी बना रही है!
हमारा एक साथ रहना खतरनाक हो सकता है! हमको अलग-अलग ही जाना चाहिए! ये पता रखो! आधे घंटे बाद मैं तुमको यहीं पर मिलूंगी!
कहां का है ये पता?
वहीं का, जहां हमको षड्यंत्रकारी मिलेगा!
नर्सिंग होम में-
आऽऽऽह! आंख लग गई! घर पर मैसेज छोड़ आई थी, फिर भी ध्रुव अभी तक नहीं आया! कहीं फंस गया होगा!
अरे! श्वेता कहां गई? श्वेता! श्वेता!
क्या है मम्मी! कम से कम टॉयलेट तो आराम से करने दिया करो!
TOILET
ओ! तू टॉयलेट में थी! मैं तो घबरा ही गई थी! मुझे लगा कि तू बाहर चली गई है!

इसी वक्त एक अंजान जगह पर-
आऽऽऽह! पूरी नींद भी नहीं लेने दी कंबख्तों ने! थकान लग रही है! कहो, इफेक्टो! कैसी खबरें लाए हो? अच्छी या बुरी?
एक ही खबर है, मैडम! वही अच्छी भी है, और बुरी भी!
ध्रुव लॉकअप से भाग गया है! लेकिन उसको भगाने वाले हमारे आदमी नहीं थे, बल्कि एक दूसरी लड़की थी! शाला नाम की! और यह भी स्पष्ट हो चुका है कि वह लड़की पहले से हमारा प्लान जानती थी!
य... यह कैसे हो सकता है? कौन थी वह लड़की? जरूर तुम्हारे गैंग में कोई गद्दार है! खैर, तुम तुरन्त अपना ठिकाना बदल लो! अगर शाला तुम्हारा प्लान जानती थी तो वह तुम्हारा ठिकाना भी जरूर जानती होगी!
अगर वह ध्रुव को तुम्हारे ठिकाने तक ले आई तो सारा भेद खुल जाएगा!
यह काम मैं पहले ही कर चुका हूं, मैडम! लेकिन उस लड़की ने वही काम किया है, जो हम करना चाहते थे! ध्रुव को भगोड़ा अपराधी बना दिया है!
और साथ-साथ तुमको भी भगोड़ा बना दिया है! तुम सावधान रहना! और ध्यान रखना कि इस मामले में हमारा नाम कभी बीच में न आए!

इसी वक्त-
ओफ! मुझे पांच मिनट ही गए इंतजार करते-करते! लेकिन शाला अब तक नहीं आई!
हो सकता है कि शाला भी मुझे धोखा दे रही हो! लेकिन शाला के साथ रहना ही मुख्य षड्यंत्रकारियों तक पहुंच पाने का एकमात्र रास्ता है! यही सोचकर मैं शाला के साथ भागने को राजी हो गया था!
लेकिन अब मुझे लग रहा है कि शाला भी मेरे हाथों से निकल गई है! मैं भगोड़ा अपराधी भी बन गया हूं!
और शाला वाला सूत्र भी मेरे हाथों से निकल गया है!
अब मुझे चिड़ियों को शाला को ढूंढ़ने के काम पर लगाना होगा!
और वे चिड़ियां भी तभी सफल होंगी, अगर शाला ने अभी तक अपना रूप न बदला हो... ओह!
ध्रुव! वह षड्यंत्रकारी यहां से भाग गया है!
शाला! तुम आ गई! लेकिन वह षड्यंत्र-कारी यहां से भागकर कहां गया होगा?
उसका एक अड्डा और है... और मुझे पूरा यकीन है कि षड्यंत्र-कारी के साथ-साथ तुमको निर्दोष साबित करने का एकमात्र सबूत भी वहीं पर होगा! आओ मेरे साथ!
इफेक्टो परेशान था-
बॉस! हमारे गैंग में उस हुलिए जैसी कोई लड़की है ही नहीं!
तो फिर कौन है हमारे गैंग का वह गद्दार, जिसने चुगली करी है!

ध्रुव! त... तुम यहां कैसे पहुंच गए? किसने दिया तुमको यहां का पता?
जिसने भी की सही की थी! और इसका सुबूत यह शोला है, जो तुम्हारे सामने खड़ा है! अब तुम इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि ये सारा षड्यंत्र तुम्हारे ही दिमाग की उपज है!
उसी ने, जिसने मुझे तुम्हारे षड्यंत्र के बारे में बताया था! ... और अब तुम मुझे चुपचाप यह बता दो कि मुझे अपराधी बनाकर तुम क्या हासिल करना चाहते हो?
तुमको शाला ने यहां का पता बताया? लेकिन यह तो अत्यन्त गुप्त अड्डा है! एक फिल्म स्टूडियो के अंदर!
मेरे कई आदमियों तक को इसका पता नहीं है! उस लड़की को इसका पता कैसे चला?
खैर! फिलहाल इसको तो ठिकाने लगाओ, शोला! यहां पर इसको बचाने के लिए कोई पेड़ नहीं है!
बड़ी खुशी से बॉस!
क्यों अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहे हो मूरखों! आग तुम्हारे स्टूडियो को ही जलाकर खाक कर देगी!

उससे पहले तू जल मरेगा! लेकिन मरने से पहले यह जरूर बताकर मर कि तुझे यहां पर लाने वाली शाला कहां पर है?

इस स्टूडियो के अन्दर ही है! और उसने यह वादा भी किया है कि वह जल्दी ही तुम्हारे लिए एक सरप्राइज लेकर आएगी!

मेरे लिए सरप्राइज! और वह भी इस फिल्म स्टूडियो के अन्दर!

समझा! लेकिन... यानी वह लड़की इस बारे में भी जानती है! मुझे तो यकीन नहीं हो रहा है! मुझे शाला को वहां पहुंचकर ही रोकना होगा!

तुम्हारा बॉस तो भाग खड़ा हुआ शोला! शायद उसको खतरे का आभास हो गया है! अब तू भी हथियार गिरा दे!

मैं तेरी लाश गिराऊंगा, ध्रुव! हथियार नहीं!

स्टूडियो में ही एक दूसरे स्थान पर-

अबे! ये... ये तो वही लड़की है, जिसने लॉकअप से ध्रुव को भगाया था! शाला!

तुम मुझे पहचान गए! यानी तुम तीनों वही मॉस्कधारी हो, जो लॉकअप से ध्रुव को भगा-कर अपराधी साबित करना चाहते थे!

खैर, मेरी तुमसे कोई दुश्मनी नहीं है! मेरा रास्ता छोड़ दो!

तू हमको धमका रही है! इसलिए कमजोर समझ रही है, क्योंकि हम लॉकअप से भाग खड़े हुए थे! लेकिन ऐसा इसलिए हुआ था, क्योंकि ध्रुव को लॉकअप से भगाकर तू हमारा ही काम कर रही थी! अब तू यहां पर आई है तो सिर्फ मरने के लिए! हमारे हाथों!
भून डालो इसे!
तड़ तड़ तड़ तड़
साथ ही साथ शाला का शरीर और तलवार दोनों ही हवा में लहरा उठे -
बेशुमार गोलियां चलीं -
टन्न
कड़ंच
ठन्न
ओऽऽऽ सारी की सारी गोलियां तलवार से टकराकर छितरा गईं! ये कैसा जादू है?
तलवार बाजी का जादू है! जिसे मैंने एक प्राचीन चीनी मन्दिर के पुजारी से सीखा था!
अब अगर अपने शरीरों को इस दीवार की तरह दो टुकड़ों में बंटता नहीं देखना चाहते हो तो रास्ता छोड़ दो!
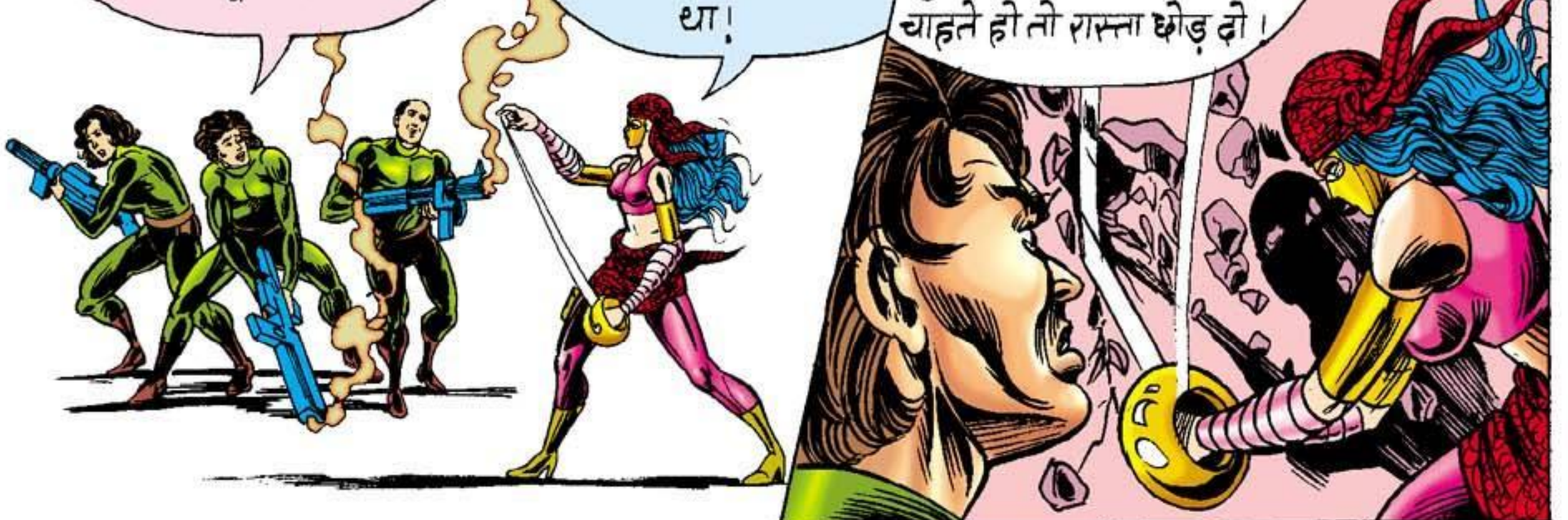
भागो!
साफ हो गया रास्ता!
नहीं! रास्ता तो तब साफ होगा...
...जब तू इस रास्ते से हटेगी, शाला!
इफेक्टो!
ओ! यानी तू मुझे जानती है! लेकिन फिर मैं तुझे क्यों नहीं जानता?
कौन है तू?
तेरी गिरफ्तारी का वारंट!
ध्रुव, शोला से उलझा हुआ था-
ओफ! गिरफ्तारी के समय मैंने खुद ही अपने ब्रेसलेट और बेल्ट के खानों में रखा सामान पुलिस के हवाले कर दिया था! अब मेरे पास अपनी मदद के लिए कोई सामान नहीं है! न स्टार लाइन, और न ही स्टार ब्लेड!
सिर्फ दिमाग का ही भरोसा करना पड़ेगा!
तू बचेगा नहीं, ध्रुव! यह सेट जलाने के लिए ही लगाया गया है! अब तू भी इसी में जल मरेगा!
आग तो भीषण हो रही है! इसको बुझाने की कोशिश करने से कोई फायदा नहीं होगा! किसी तरह शोला को बेबस करना होगा! शायद ये पानी भरी बाल्टी मेरी मदद कर सके!
एक बाल्टी पानी! हा हा हा! एक बाल्टी पानी से तू शोला को बुझाएगा! हा हा हा! मूर्ख कहीं का!

ओ! तू पानी मुझ पर नहीं, बल्कि इस जलती लकड़ी के शहतीर पर फेंक रहा है! क्यों?
क्योंकि इससे लकड़ी गीली हो जाएगी, और गीली लकड़ी जलने पर बहुत धुआं उगलती है!
और इस गाढ़े धुएं में तू मुझे नहीं देख पाएगा! मैं भी तुझे नहीं देख सकता, लेकिन इस लकड़ी के फर्श पर गूंजती तेरे भारी कदमों की आहटों से...
...मैं तेरी स्थिति का सही अन्दाजा लगा लूंगा...
...और तुझको शोला से ठंडी राख बना दूंगा!
उस वार ने शोला के होशोहवास छीन लिए-
अब शाला को ढूंढ़ना है! कहीं शोला के बॉस के कारण वह किसी खतरे में न फंस गई हो!
वह अन्दर घुसते समय इसी दिशा में गई थी!
शाला!
ध्रुव!
ध्रुव!
कड़ाक

हे भगवान!
तो ये है सच्चाई!
चेस बोर्ड जिन्दा है! मरा नहीं है!
हां, मरा नहीं है! जो लाश तुमने देखी थी, वह किसी और की थी! जिसको हमने चेस बोर्ड जैसे कपड़े पहनाकर और जलाकर पानी में बहा दिया था! यह सच झाला ने कैसे जाना, यह सोचते-सोचते मेरा तो सिर दुख गया!
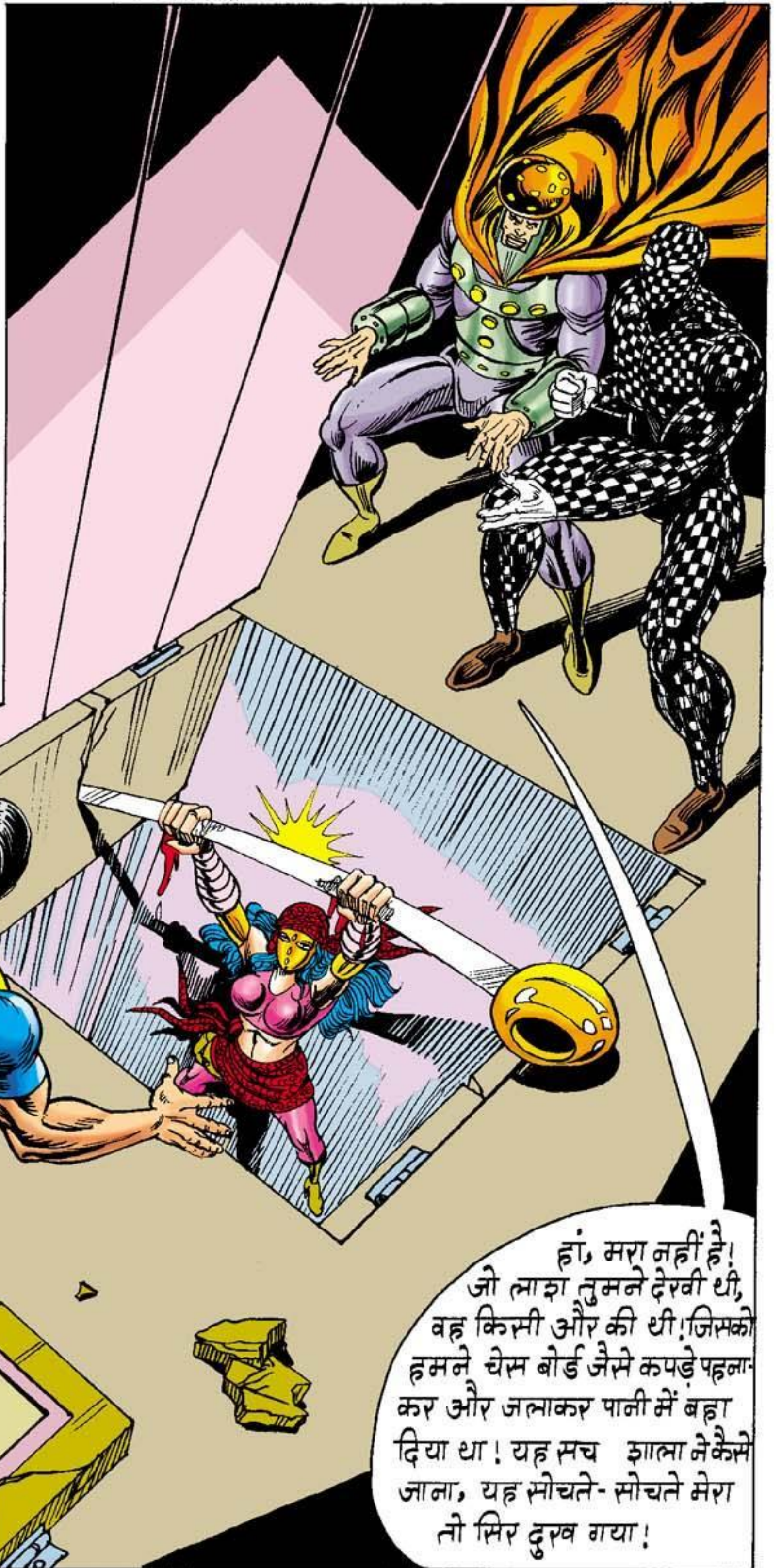
अब तुझे निर्दोष साबित कर सकने वाले एकमात्र सबूत चेस बोर्ड को मैं अपने साथ ले जा रहा हूं! तेरे पास दो ही विकल्प हैं! या तो तू अपनी मित्र शाला को नीचे शूलों पर गिरने से बचा ले, या मेरे पीछे आकर चेस बोर्ड को पकड़ ले!
मेरी फिक्र मत करो ध्रुव! तुम अपने को निर्दोष साबित करो! ध्रुव नाम को बदनाम मत होने दो!

नहीं, शाला! तुम्हारी जिन्दगी मेरे ऊपर लगे आरोपों से ज्यादा कीमती है! पहले मैं तुमको बचाऊंगा, फिर समय रहा तो चेस बोर्ड के पीछे आऊंगा!
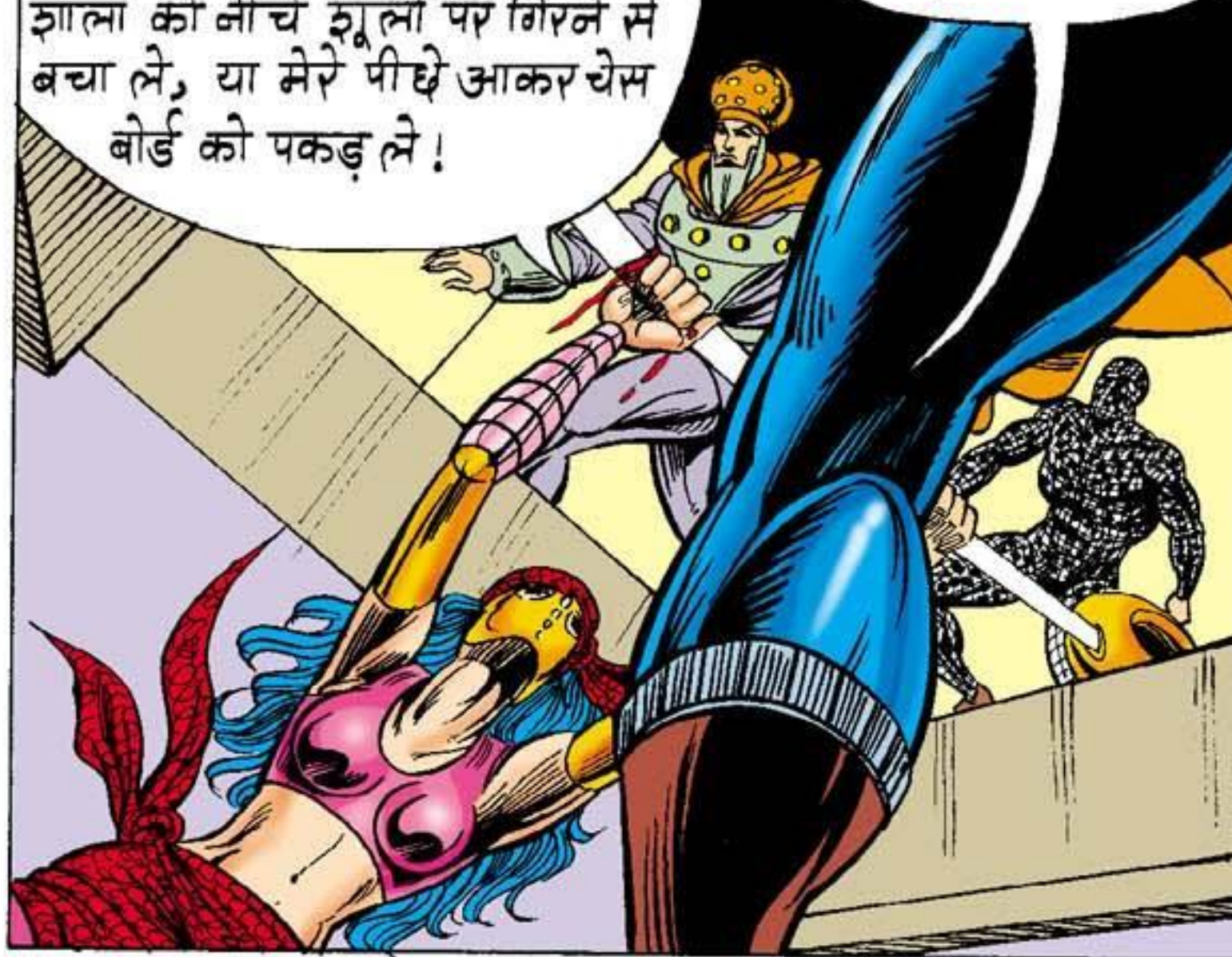
तलवार से तुम्हारे हाथ कट रहे हैं, शाला इस दरवाजे को पकड़कर ऊपर आ जाओ!

कुछ ही पलों बाद-
थैंक्यू ध्रुव!
अब हम इफेक्टो और चेस बोर्ड के पीछे चलते हैं!
अब तक वे इस भूल भुलैया में न जाने कहां निकल गए होंगे!

मुझे पता है कि वे कहां जा सकते हैं! तुम मेरे साथ आओ!

स्टूडियो में ही-
अब तुझे कहां पर ले जाकर छुपाऊं, चेस बोर्ड?
पता नहीं ये शाला मेरे और कौन-कौन से ठिकानों का पता जानती है!
किसी भी ठिकाने पर चलो, लेकिन पहले यहां से तो निकलो!
उन दोनों भूतों का कोई भरोसा नहीं है!
घबराता क्यों है? वे दोनों ये रास्ता तो जान ही नहीं सकते!
गलत! जहां से तुम भागे थे, वहां से रास्ते तो कई निकलते हैं, लेकिन बाहर जाने का रास्ता सिर्फ यही है!
और इस रास्ते पर पहुंचने का सबसे छोटा रास्ता ये है, जिससे हम आए हैं!
ध्रुव और शाला!
कमाल है! ये... ये रास्ता तो मैं भी नहीं जानता था!
खैर! यहां पर एक ऐसी चीज है, जिसके बारे में तू भी नहीं जानती होगी, शाला!
ये... ये राक्षस एकाएक कहां से खड़ा हो गया?
ये 'एनिमेट्रॉनिक्स' का कमाल है! इसका प्रयोग अभी कल ही एक 'साइंसफिकशन फिल्म' की शूटिंग के लिए किया गया था...

ये 'एनिमेशन' और 'इलेक्ट्रॉनिक्स' की मिली-जुली जादूगरी का एक चलता-फिरता खतरनाक नमूना है!
तेरी कोई दिमागी शक्ति तेरे काम नहीं आएगी!
ध्रुव के पास फिलहाल कोई हथियार न सही, लेकिन मेरे पास है!
तेरी तलवार में जितना लोहा लगा है, उतना तो सिर्फ इसके पंजों की एक उंगली में लगा है!
अच्छा हुआ कि तुम दोनों ने मुझे यहां पर रोका, जहां पर तुम्हारी मौत का फरिश्ता पहले से ही तुम दोनों का इंतजार कर रहा था!
आऽऽऽह!
तड़ाक
धाड़.
यह क्या चक्कर है? यह दैत्य तो एक इलेक्ट्रॉनिक यंत्र है!
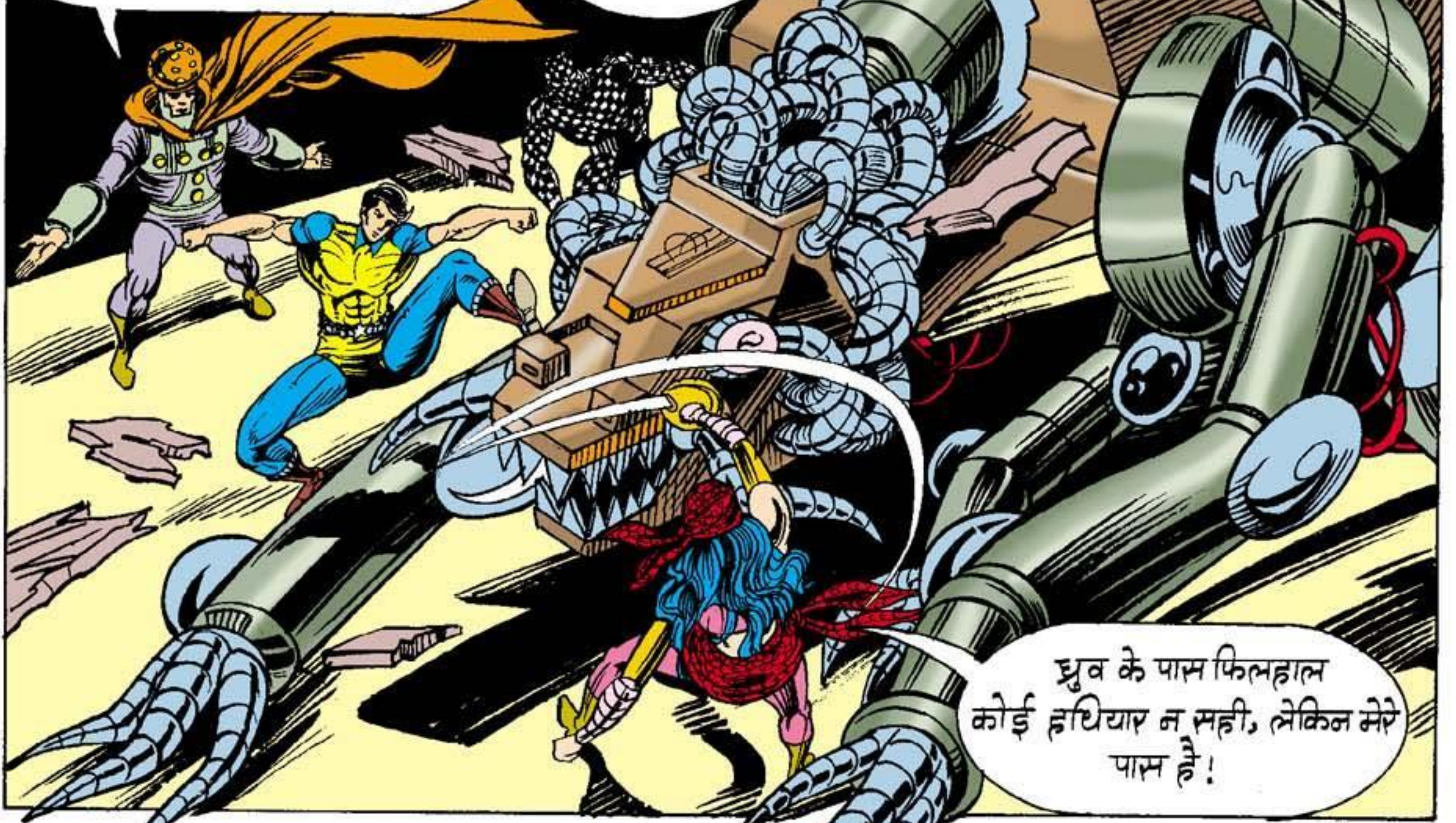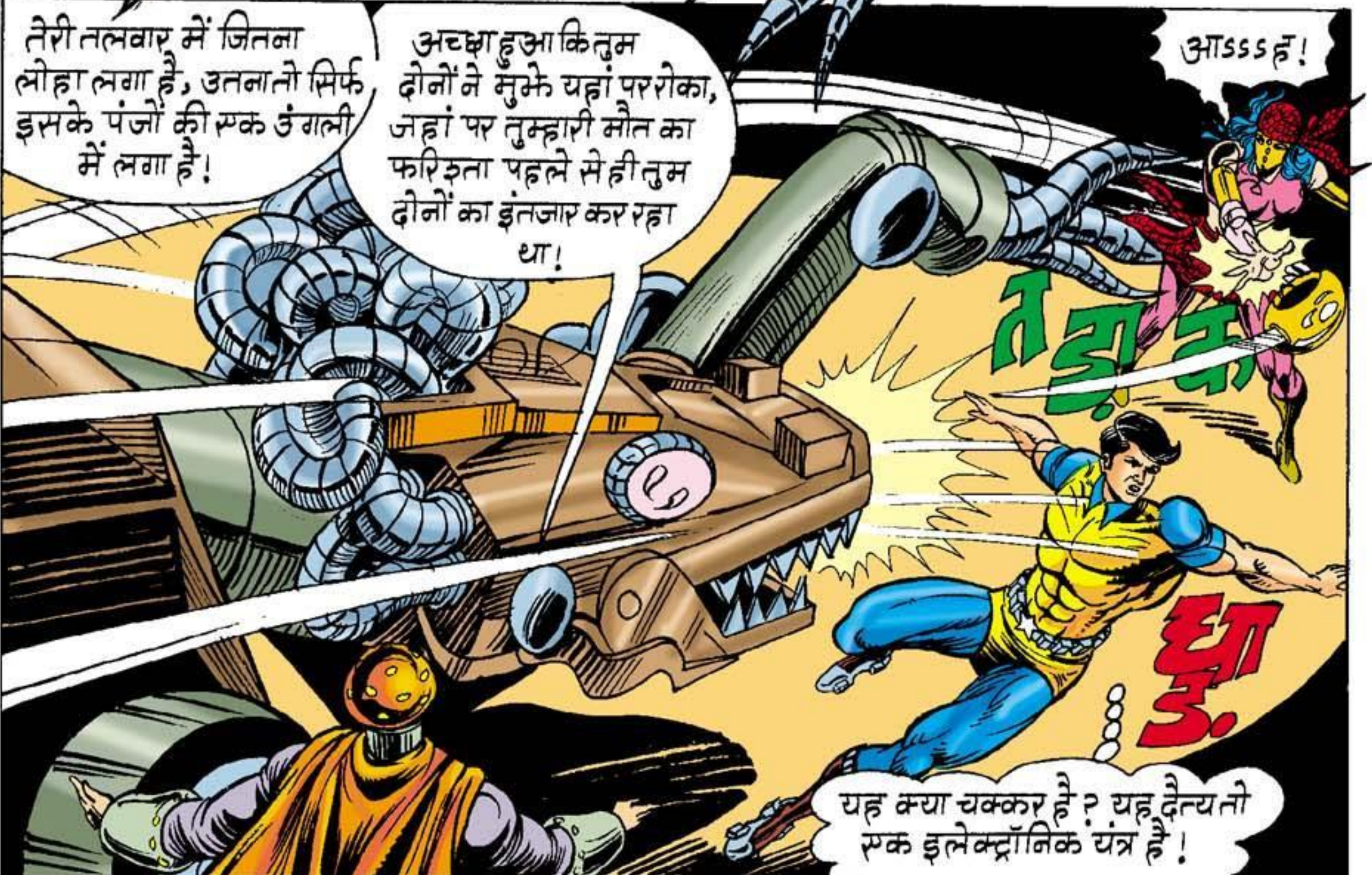
फिर ये इतने सटीक वार कैसे कर पा रहा है? इस पहेली का एक ही हल हो सकता है! और वह ये कि कोई और इसको अपने इशारों पर नचा रहा है!

और वह कोई और 'इफेक्टो' ही हो सकता है! वह इस दैत्य को कंट्रोल करने के लिए अपनी उंगलियों का प्रयोग नहीं कर रहा है! यानी कंट्रोल इसके हेलमेट में होंगे, जिनको यह अपनी विचारतरंगों के माध्यम से चला रहा होगा!

शाला की तलवार अभी मुझे, मेरे सवाल का जवाब दे देगी!

अरे! अरे!

मेरा हेलमेट!

अब मेरा इस दैत्य पर कंट्रोल नहीं रहा! भाग चेसबोर्ड!

अब आराम से चल चेस बोर्ड! इस दीवार को तोड़कर वे दोनों हम तक नहीं पहुंच सकते!

ओह! हमारे और इफेक्टो के बीच में लोहे की एक मोटी दीवार गिर रही है!

अगर नहीं पहुंच सकते तो लोहे की दीवार में दरारें क्यों पड़ रही हैं?

कक ठड़ड़क

दीवार टूट रही है! लेकिन ये... ये कैसे संभव है?
ध्रुव और शाला के पास इतनी शक्ति कहां से आ गई कि वे लोहे की दीवार तोड़ सकें?
तुमने ही दी है! अपने हेलमेट को हमारे पास गिराकर! अब इसको पहनकर मैं 'इलेक्ट्रॉनिक-मॉन्सटर' को कंट्रोल कर रहा हूं! ...
... और इसके अन्दर इतनी शक्ति है कि ये लोहे की दीवार को तोड़कर तुम दोनों को पकड़ सके!
अब मेरी बेगुनाही का सुबूत मेरी गिरफ्त में है! और यह सिर्फ तुम्हारी मदद से संभव हो सका है, शाला!
शाला? शाला कहां गई?

और फिर-
इफेक्टो और चेसबोर्ड ने अपना गुनाह कुबूल कर लिया है, ध्रुव! शोला को हमने सरकारी गवाह बनने पर राजी भी कर लिया है! अब तुम हत्या के आरोप से मुक्त हो!
लेकिन एक आरोप तो मुझ पर अभी भी बचा हुआ है! लॉकअप से भागने का अपराध! उसकी सजा तो मुझको काटनी ही होगी!

ऊंह! तुम लॉकअप से रात को दो बजकर तेईस मिनट पर निकले थे! और मैंने जज साहब से जमानत की अर्जी पर दस्तखत दो बजकर बीस मिनट पर करवा लिए थे!
तुम तो जमानत होने के तीन मिनट बाद निकले हो! फिर तुम अपराधी कैसे हो गए? नहीं हुए न?

उसने मुझको चुनौती देने की हिम्मत की है! मेरे रास्ते में अपनी टांग अड़ाई है! अब मैं खुद उसको ढूंढ़कर उसको ऐसी सजा दूंगी कि... ओह!
मुझे शाला का हुलिया बताया गया था! यह तो.... यह तो उसी के कपड़े और मॉस्क हैं! वह मुझको खुले आम चुनौती दे रही है!
मुझे दिखाना चाहती है कि उसकी पहुंच मुझ तक भी है! मैं तेरी चुनौती को स्वीकार करती हूं, शाला! मैं तुझे ढूंढूंगी और तुझे आराम से तड़पा-तड़पाकर मारूंगी! यह कमांडर नताशा का वादा है!
धीरज रखिए! शाला जल्दी ही सामने आएगी! "शहंशाह" में! और तब देखना यह होगा कि नताशा अपना वादा पूरा कर पाएगी या नहीं! इन्तजार कीजिए...

समाप्त